भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

सौराष्ट्र क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हीरासर (राजकोट) में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण |

नई दिल्ली, 26 अगस्त 2021: गुजरात राज्य के चौथे सबसे बड़े शहर की बढ़ती आबादी और इस क्षेत्र में हवाई यातायात के बढ़ते प्रवाह को देखते हुए , भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने गुजरात में न्यू ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, राजकोट के निर्माण का काम शुरू किया है। रुपये 1405 करोड़ की परियोजना लागत के साथ नए हवाई अड्डे को इस राज्य से विदेश यात्रा करने वाले लोगों के लिए परिवहन केंद्र बनाने की संकल्पना की गई है।

राजकोट शहर गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र का केंद्र है और भारत में 35 वां - सबसे बड़ा शहरी समूह है। वर्तमान हवाई अड्डा शहर के मध्य में है और इसके चारों ओर बने आवासीय और वाणिज्यिक भवनों के कारण प्रतिबंधों से इसकी क्षमता काफी बाधित है। वर्तमान हवाई पट्टी एयरबस 320 फैमिली/बोइंग 737-800 जैसे बड़े विमानों के लिए अक्षम है।

1,032 हेक्टेयर में फैले इस नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे में बड़ी संख्या में काउंटर और अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ-साथ यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं और सहूलियतों की योजना बनाई गई है। यह नया हवाई अड्डा राजकोट शहर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर है और राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर है। इस नए हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन कुल 23,000 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र के साथ व्यस्त समय के दौरान 1280 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा।

हीरासर टर्मिनल के अग्रभाग का डिजाइन पारंपरिक तत्वों को आधुनिक रूप में एकीकृत करते हुए राजकोट के मौजूदा महलों जैसे रंजीत विलास पैलेस से प्रभावित है। इमारत के अंदर गर्मी को कम करने के लिए महलों की भांति पारंपरिक जालियाँ बनाई जाएंगी। टर्मिनल के अद्भुत बाहरी अग्रभाग और शानदार आंतरिक सज्जा में डांडिया नृत्य सहित विभिन्न कलाएं दर्शाई जाएंगी । राजकोट अपनी 'गोल्डन ज्वैलरी और फिलीग्री वर्क' के लिए प्रसिद्ध है | सिटी साइड कर्ब के ड्रॉप-ऑफ क्षेत्र का बाहरी पैनल इन्हीं से प्रेरित है।

यह टर्मिनल अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं, चार यात्री बोर्डिंग पुलों, तीन कन्वेयर बेल्ट और 20 चेक-इन काउंटरों के साथ-साथ आधुनिक अग्निशमन और फायर अलार्म सिस्टम से युक्त होगा। हवाईअड्डे के सिटी साइड एरिया में लैंडस्केपिंग के साथ-साथ कार, टैक्सी और बसों के लिए पर्याप्त पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी । बी777-300ईआर/बी747-400 प्रकार के विमानों की आवश्यकतानुरूप 3040 मीटर लंबे रनवे की योजना बनाई गई है जो एक ही समय में 14 विमानों की पार्किंग करने में सक्षम होगा।

55% से अधिक खुदाई का काम और 48% रनवे एवं फुटपाथ संबंधी अन्य कार्य पूर्ण हो चुके हैं। टर्मिनल बिल्डिंग और एटीसी टावर संबंधी कार्य अवार्ड किया जा चुका है और मोबिलाइजेशन शुरू हो गया है। कुल परियोजना की वर्तमान प्रगति 27% है। नया हवाई अड्डा मार्च 2023 तक प्रचालन के लिए तैयार हो जाएगा।

राजकोट अपने लघु और बड़े उद्योगों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था में प्रभावी रूप से योगदान दे रहा है। यह शहर वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसकी शीघ्रता से बढ़ने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ हवाई संपर्क होने से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अतिरिक्त, नया हवाईअड्डा बनने से बड़ी मात्रा में व्यावसायिक विकास भी होगा। इससे ट्रैवल-लॉजिस्टिक्स, होटल इंडस्ट्री, रेस्टोरेंट, वेयरहाउस-कार्गो हैंडलिंग और क्लियरिंग बिजनेस आदि को भी बढ़ावा मिलेगा।

राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित होने के कारण, यह हवाईअड्डा इस क्षेत्र में स्थित बहुत से उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक्स से संबंधित समय और लागत को कम करेगा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मोरबी का सिरेमिक उद्योग और जामनगर के अन्य उद्योग भी हवाई संपर्क के लिए राजकोट पर निर्भर हैं|

राजकोट के प्राचीन शहर के आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण की योजनाएं पहले से ही मौजूद हैं तथा ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण सहित ऐसी सभी बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं से स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा जिससे देश की आर्थिक संपत्ति में वृद्धि होगी ।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी
विवरण के लिए कृपया संपर्क करें
महाप्रबंधक (सीसी) दूरभाष नं 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति सं 19 /2021 -22